



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अनोखी धाम सेवा समिति द्वारा 10 जुलाई को पत्रकार कॉलोनी (मानसरोवर) के अनोखी धाम (श्री हनुमंत स्वरूप नीब करौरी महाराज) में आयोजित होने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पोस्टर का बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर विमोचन किया। इस दौरान अनोखी धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद रहे।

भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े मेजा बाँध में 10 फीट पानी आया

भीलवाड़ा, 02 जुलाई, (निसं)। जिलेभर में बुधवार को कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार बारिश का दौर दिनभर जारी रहा।

शहर की निचली बस्तियों, अपडरब्रिज व बस स्टेण्ड मार्ग सहित कई मार्गों में पानी भरा होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। मांडल क्षेत्र के सबसे बड़े मेजा बांध में भी बारिश से पानी की आवक लगातार जारी है। भीलवाड़ा जिले के इस सबसे बड़े बांध में अब तक 10 फीट पानी पहुंच चुका है, बागीर क्षेत्र में सुबह से ही बारिश के कारण और अधिक पानी की आवक की संभावनाएं जताई जा रही है।

मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम और यूआइटी की पोल खोलकर रख दी। भीलवाड़ा के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भर गया। दूसरी ओर मेजा बांध का जलस्तर बढ़ा है।

बारिश से पुलिस लाइन, यूआइटी के सामने, यातायात पुलिस चौकी, रामधाम के सामने, चन्द्रशेखर आजाद नगर सहित, शहर के सभी अपडरपास में पानी भर गया, जिससे लोगों को चण्टों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। इस मौसम की पहली जोरदार बारिश से रोडवेज बस स्टेण्ड से रामस्नेही अस्पताल के बाहर तक तीन फीट पानी भर गया और बस स्टेण्ड के आस-पास बनी नालियों व नाले फोन कचरा सड़कों पर आ गया। नगर निगम के बाहर भी कई जगह आधा फुट तक पानी भरा हुआ है।

नगर निगम और यूआइटी की लापरवाही से शहर में कई जगह सड़कें

मूसलाधार वर्षा से भीलवाड़ा शहर के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भरा

- ग्रामीण क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में छत से टपकता पानी बिजली बोर्ड पर गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। बच्चों को बिजली के झटके लगने लगे, प्रिंसिपल ने तुरंत कार्यवाही कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

दुकानों और मकानों से ऊंची हो गई हैं जिस कारण मकानों और दुकानों में पानी घुसने लगा है। शहर में कई स्थानों पर तेज आंधी-तूफान के कारण करीब तीन घण्टे बिजली गुल रही जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिले के मांडल में मानसून एक बार फिर मेहरबान हुआ है। सुबह से ही बारिश का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक जारी है। लगातार बारिश के कारण हाइवे पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भीलवाड़ा की रायला उस तहसील

के बैरा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव इंदिरा कॉलोनी राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बुधवार सुबह जैसे ही बारिश शुरू हुई तो छत टपकने लगी, इस समय विद्यालय के कमरों में बच्चे मौजूद थे। धीरे-धीरे बिजली बोर्ड पर पानी गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। दीवारों के पास बैठे बच्चों को बिजली के झटके लगने से हो-हल्ला मच गया।

प्रिंसिपल ज्योति जांगिड़ दौड़कर आई और सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और ग्रामवासियों को सूचना दी, तुरंत लाइट को बंद करवा कर अधिकारियों को सूचना दी गई। अधिकारियों ने तत्काल बिजली का कनेक्शन काट दिया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

राहुल गांधी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में सार्वजनिक निर्माण विभाग संभाल रहे है।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जो राहुल गांधी की कार्यशैली और राजनीतिक सोच से परिचित हैं, ने बताया कि इससे पार्टी में भारी अटकलों का दौर चल पड़ा है।

और भी रोचक बात यह है कि इन नेताओं का कद जितना बढ़ा है, कांग्रेस की स्थिति उतनी ही कमजोर होती गई है। “एक पद, एक व्यक्ति” का सिद्धांत राहुल गांधी के करीबी नेताओं पर लागू नहीं होता।

जैसे, कृष्णा अल्लुवेरा बिहार जैसे अहम चुनावी राज्य के प्रभावी है और साथ

ही युवा कांग्रेस के भी प्रभारी है।

अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग नियम लागू हो रहे हैं।

एक बंद दरवाजे वाली व्यवस्था बना दी गई है, जिसमें कुछ खास लोगों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है, भले ही उन्होंने पार्टी को ऊपर उठाने में कोई ठोस योगदान न दिया हो।

भंवर जितेंद्र सिंह हर उस राज्य में असफल रहे, जहां उन्हें जिम्मेदारी दी गई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार पदेन्नत किया जा रहा है।

राहुल गांधी को इन सवालों के जवाब देने होंगे, खासकर उनकी कोर टीम के कई सदस्यों के प्रदर्शन को लेकर।

सरकार ने आपदा अलर्ट सिस्टम शुरू किया

नई दिल्ली, 02 जुलाई। अगर आने वाले दिनों में आपके मोबाइल में भी कोई अलर्ट का मैसेज आए, जिसमें लिखा हो कि ये एक टैस्टर मैसेज है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ये मैसेज भारत सरकार के टेलीकॉम मंत्रालय की एक तैयारी का हिस्सा है, ताकि सरकार समय रहते आम लोगों को किसी आपदा या इमर्जेंसी की सूचना लोगों तक पहुंचा सके। दूरसंचार विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर देशभर में मोबाइल

- सिस्टम की टैस्टिंग शुरू हो गई है, सभी के मोबाइल में अलर्ट भेजा जा रहा है, पर इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

के जरिए अलर्ट सिस्टम को मजबूत बना रहे हैं। हाल ही, में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक नया इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम (सचेत) शुरू किया है, जिसे सी-डीओटी ने तैयार किया है। इस सिस्टम को इंटरनेशनल टेलिकॉम यूनियन की गाइडलाइन के हिसाब से बनाया गया है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा चुका है।

यूक्रेन के लुहांस्क पर रूस का पूर्ण नियंत्रण

तीन साल तक चले युद्ध के बाद, अंततः रूस को मिली एक बड़ी सफलता

- रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध विराम की संभावनाओं को खारिज कर दिया है।

लुहांस्क तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के बाद रूस की ओर से पूरी तरह से कब्जाया गया पहला यूक्रेनी क्षेत्र बन जाएगा। अमेरिका के नेतृत्व में किए गए शांति बहाली के प्रयासों के

आगे न बढ़ पाए के बीच यह बहुत बड़ी खबर दुनिया के सामने आ रही है। यह खबर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति बहाली की कोशिशों के लिए झटका है। इसके अलावा, इससे इस संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध विराम की संभावनाओं को सिर से नकार दिया है। वे अपनी शर्तों से समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इन शर्तों में अवैध रूप से कब्जा किए गए

चार क्षेत्रों पर रॉस्को का नियंत्रण भी शामिल है। हालांकि, कब्जे वाले क्षेत्र के लिए रॉस्को की ओर से नियुक्त नेता लियोनिद पासचनिक के दावे पर कीव की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। सोमवार शाम को प्रसारित रूस के सरकारी टीवी चैनल वन पर बयान देते हुए पासचनिक ने कहा कि उन्हें दो दिन पहले ही एक रिपोर्ट मिली थी, जिसमें कहा गया था कि 100 प्रतिशत क्षेत्र अब रूसी सेना के नियंत्रण में है।

बांग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना को 6 माह की जेल

ढाका, 02 जुलाई। निर्वासन के बाद भारत में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने अदालत की अवमानना के लिए बुधवार को छह महीने जेल की सजा सुनाई।

‘हेली स्टार’ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा

अध्यक्ष शकील अकांदा बुलबुल से कहती सुनाई दे रही है।मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। न्यायाधिकरण ने इस बयान को अवमाननापूर्ण और अदालत को कमजोर करने का सीधा प्रयास माना। गैर्वांधा के गोविंदगंज से आवामी लोग

- अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायाधिकरण ने अदालत की अवमानना के आरोप में यह सज़ा सुनाई है।

मोज़मदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष सोमल मीडिया पर प्रसारित हसीना से जुड़ी कथित लीक फोन बातचीत की समीक्षा करने के बाद आज यह आदेश पारित किया।

ऑडियो क्लिप में हसीना कथित तौर पर गोविंदगंज उपजिला के पूर्व

के छात्र सहयोगी प्रतिबंधित छात्र लीग के नेता बुलबुल को उनकी भूमिका के लिए दो महीने जेल की सजा सुनाई गई है। न्यायाधिकरण के सूत्रों के अनुसार, सजा तभी प्रभावी होगी, जब दोषी अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे या कानून प्रवर्तकों द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

रजिस्ट्रारों को भेजा गया है, जिसमें कर्मचारियों को “सुपनैट” (कोर्ट की आंतरिक नेटवर्क प्रणाली) पर अपलोडेड आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर देखने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी कर्मचारी को सूची में कोई त्रुटि या आपत्ति हो, तो उसे रजिस्ट्रार (भर्ती) को औपचारिक शिकायत के दा का प्रावधान रखा गया है, जिससे उनकी शिकायत का समाधान हो सके।

रिजर्वेशन रोस्टर के अलावा, सर्वोच्च न्यायालय के सभी कर्मचारियों को भेजे गये संकुलर में लिखा गया है : “सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार, सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि मांडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर “सुपनैट” पर अपलोड कर दिए गए हैं और ये 23.06.2025 से प्रभावी हैं।”

ओला, ऊबर, रेपिडो को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति

नयी दिल्ली, 02 जुलाई। सरकार ने ओला, उबर, रैपिडो जैसी सभी कैब सेवाओं को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति दी है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2025 के लिए एक जुलाई को जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देशिका में इस आशय की अनुमति प्रदान की है। राज्य सरकारों इसके आधार पर अपने नियम अलग बना सकती हैं और इसके लिए उन्हें तीन महीने का समय दिया गया है। नये दिशा-निर्देशों के अनुसार, एग्रीगेटर को गैर-व्यस्त समय के दौरान बेस किराया से कम से कम 50 प्रतिशत कम चार्ज करना आवश्यक है। अब ये कैब एग्रीगेटर से पीक टाइम में बेस किराया का दोगुना तक किराया वसूल सकते हैं।

आरएसएस व मोदी-शाह द्वय के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अनुसार बैठक में, भाजपा और संघ के बीच मोदी के नेतृत्व के दौरान निरंतर विगड़ते संबंधों पर भी खुलकर चर्चा होगी।

एक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी ने नाम नहीं बताते की शर्त पर बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों की आंतरिक समीक्षा ने संघ नेतृत्व को “गंभीर रूप से निराश किया है।” भले ही भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए फिर से सत्ता में आया, लेकिन भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला और मोदी की व्यक्तिगत छवि को भी आघात पहुंचा। सूत्र ने कहा, “हमने दो कार्यकालों तक मोदी का पूरा समर्थन किया, लेकिन अब मूल कार्यकर्ताओं और पारंपरिक समर्थकों के बीच बढ़ती नाराजगी ने अनदेखा नहीं किया जा सकता।”

- संघ परिवार भी चौंहारे पर खड़ा है और दुविधा में है। एक तरफ उस नेता के प्रति वफादारी का सवाल है, जो चुनाव की दृष्टि से सबसे सफल नेता साबित हुआ है तथा दूसरी ओर सवाल है, पार्टी में “आइडियोलॉजिकल व संगठनात्मक” संतुलन बँटाने का, 2029 के चुनाव से पहले।

संघ के भीतर यह धारणा बढ़ रही है कि भाजपा में शक्ति के अत्यधिक केंद्रीकरण, जो अब लगभग पूरी तरह मोदी-शाह तक सीमित है, ने जमीनी कार्यकर्ताओं और वैचारिक निष्ठावान लोगों को हाशिए पर धकेल दिया है। संघ के कई सदस्यों का मानना है कि हाल की राज्य स्तर की नियुक्तियों संगठनात्मक योग्यता या वैचारिक प्रतिबद्धता के बजाय केवल मोदी के प्रति व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर की गई हैं।

यह असंतोष केवल वैचारिक नहीं है। कुछ प्रचारकों का मानना है कि आंतरिक लोकतंत्र के क्षरण और वैचारिक मूल्यों की अनदेखी ने भाजपा को कुछ प्रमुख राज्यों में चुनावी नुकसान पहुंचाया है। संघ के भीतर “नीति में सुधार” की चर्चाएं अब भीतर पकड़ने लगी हैं, विशेषकर ऐसे समय में जब संगठन अपनी शताब्दी वर्ष की तैयारी कर रहा है, जिसे कई लोग भाजपा

के साथ संबंधों की रणनीतिक पुनर्समीक्षा के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आरएसएस और मोदी-शाह नेतृत्व इस आंतरिक संकट को कैसे संभालते हैं। भले ही खुले टकराव की संभावना कम हो, लेकिन आने वाले महीनों में संदेशों, नियुक्तियों और चुनावी रणनीतियों में बदलाव इस दिशा का संकेत दे सकते हैं। फिलहाल, संघ परिवार एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ वह अपने सबसे सफल चुनावी नेतृत्व के प्रति वफादारी और 2029 के आम चुनावों से पहले संगठनात्मक व वैचारिक संतुलन बहाल करने की आवश्यकता के बची फंसा हुआ है।

संभाग में भारी वर्षा के कारण कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी

चंबल पर बने सभी बाँधों से पानी लगातार छोड़ा जा रहा है, नदी-नाले उफान पर



कोटा संभाग में भारी वर्षा के बाद कोटा बैराज के 5 गेट खोल कर पानी की निकासी की गई।

कोटा, (निसं), 02 जुलाई। संभाग के चारों जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ने लगे हैं। बीती रात तेज बारिश के बाद कई शहरों और कस्बों की निचली बस्तियों में पानी भर गया। इससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर नदी-नाले उफान पर हैं और चंबल से जुड़े बाँधों से बड़े स्तर पर पानी छोड़ा जा रहा है।

हालात को देखते हुए कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी किया गया है। इस साल के शुरू से ही चंबल नदी पर बने बाँधों से पानी की निकासी जारी है। बुधवार को राणा प्रताप सागर बांध के गेट पहली बार खोले गए। डैम में 1.25 लाख क्यूसेक पानी का इम्फ्लो है ऐसे

- राणा प्रताप सागर बाँध से 39 हजार क्यूसेक, जवाहर सागर बाँध से 51 हजार क्यूसेक व कोटा बैराज से 75 हजार क्यूसेक पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। केवल गांधी सागर बाँध में अभी 22.65 फीट पानी आना बाकी है।

में 33 हजार क्यूसेक पानी गेट से और 6100 क्यूसेक पानी मशीन से छोड़ा गया। यानी कुल 39 हजार क्यूसेक की निकासी हो रही है। डैम लगभग 98.30 प्रतिशत भर चुका है। इसकी क्षमता 1157.50 फीट है और इस समय जलस्तर 1156.56 फीट पहुंच चुका है। इसी तरह जवाहर सागर डैम से भी कुल 63,276 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

छोड़ा जा रहा है। निकिता पारेता ने बताया कि निकासी की मात्रा मौसम के अनुसार बढ़ाई भी जा सकती है।

हाड़ौती के दूसरे बांध, कालीसिंध नदी के भीमसागर डैम से 9270 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसी तरह उजाड़ नदी पर स्थित भीम सागर डैम से 1100 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गांधी सागर बांध का फुल गेज 1312 फीट है लेकिन वर्तमान में यह 1289.35 फीट ही भरा हुआ है। ऐसे में अभी उसमें काफी पानी आना शेष है। गांधी सागर डैम की क्षमता 7164.95 मिलियन क्यूबिक मीटर है वर्तमान में उसमें पानी 3607.35 एमसीएम है, फिलहाल वह आधा खाली है।

इंडिया ब्लॉक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग के उस नए निर्देश का भी विरोध किया, जिसमें कहा गया है कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आयोग के दफ्तर में प्रवेश कर सकते हैं। सिंघवी ने कहा, पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आ सकते हैं। इस तरह की पाबंदी से आयोग और राजनीतिक दलों के बीच जरूरी संवाद नहीं हो पाएगा।

ईरान ने फोर्डो एटॉमिक सेंटर पर काम शुरू किया

उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है

- ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र को अमेरिका की बमबारी से भारी नुकसान हुआ था।

तेहरान, 2 जुलाई। ईरान ने पिछले महीने अपने परमाणु संयंत्रों पर की गई अमेरिकी बमबारी के बाद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार टेक्नोलॉजीज की उपग्रह छवियों से उस संयंत्र तक पहुंचने के लिए एक नई सड़क के निर्माण और उपकरणों की तैनाती का पता चला है। उपग्रह द्वारा ली गयी तस्वीरों के अनुसार, ईरान अपने इस प्रमुख परमाणु संयंत्र में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए रात-दिन काम कर रहा है और उपग्रह तस्वीरों में पहाड़ पर फोर्डो संयंत्र की ओर जाने वाली एक नई बनी सड़क दिख रही है। इसके साथ ही वहां कई वाहन भी दिख रहे हैं जिनमें एक उत्खनन वाहन और एक मोबाइल क्रेन शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट

में विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान (आईएसआईएस) के एक विश्लेषण का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया था कि उत्खनन वाहन संभवतः भूमिगत संयंत्र को हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए कैमरों या कर्मचारियों को नीचे उतारने के लिए स्टेजिंग एरिया तैयार कर रहा था। सोमवार को आईएसआईएस अध्यक्ष डेविड अलब्राइट ने कहा कि मैक्सार की तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान बम-प्रभावित दो स्थलों पर नीचे की ओर निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।